

ग्रमाजारण

### EXTRAORDINARY

भाग II--खन्द 3---इपसन्द (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 472] No. 472| नई विल्ली, बुधवार, नवस्वर 19, 1975/कार्तिक 28, 1897

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 19, 1975/KARTIKA 28, 1897

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा आ सक।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compliation

# MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

#### ORDERS

New Delhi, the 19th November 1975

S.O. 665(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 508(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Sen Raleigh Industries Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

| Provisions of the<br>Companies Act,<br>1956 | Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply the undertaking |
|---|--|
| (1)   | (2)  |
| Section 224                                 | The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                             |
| Section 225                                 | The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                             |

[No. F. 2/21/75-CUC]

# उद्योग मौर नागरिक पृति मंत्रालय (ब्रीद्योगिक विकास विभःग)

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1975

**का॰ आ॰ 665 (छ)/18 उ०/उ० वि० वि० अ०/75.**---केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास अभीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड \overline 🕻 (क) के श्रवीन जारी किए गए उद्योग स्रोर नागरिक पूर्ति मंत्रालय के स्रधिसूचित श्रादेश सं० का० स्रा० 508 (म्र), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्रो एम० के० माडबेल को मैसर्स सेन रेलेह इण्डस्ट्रीज लिभिटेड, अनकता (जिस इस मादेश में इसके पश्चात् मौद्योगिक उनकम कहा गया है) के नाम से जात स्रोबोगिक उरकर का प्रजन्ज उसने जिलिदिंग्ट स्वयधियों के लिए प्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है ;

म्रातः, म्रान, फेल्होन सरकार, उनतः मधिभियम की धारा 18 (ङ) की उपवारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति में का प्रमोग करते हुए इससे उपावढ अनुसूची में उन छूटों, निर्वन्धनों फ्रोर सीमाओं को विनिर्दिष्ट भरतो है जिनके प्रवान रहते हुए कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) ग्रीग्रोगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18कक के श्रवीन उक्त अधिसुचित श्रादेश के जारी करने से पूर्व लाग होता था।

## मनु सूची

| कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 के उपबन्ध | वे छूटें, निर्थन्धन श्रौर सीमाएं जिनके ग्रधीन रहते<br>हुए स्तम्भ (1) में विणित उपबन्ध उपक्रम को<br>लागू होंगे |  |  |
|----------------------------------|---|--|--|
| (1)                              | (2)   |  |  |
| धारा 224                         | इस धारा की उपबारा (7) के उपबन्ध इस ग्रौद्योगिक  |  |  |
| धारा 225                         | उपक्रभ को लागू नहीं होंगे ।   |  |  |
|                                  | इस धारा की उपवारा के (1) उपवन्ध इस ब्रौद्योगिक  |  |  |
|                                  | उपक्रम को लागू नहीं होंगे।  |  |  |
|                                  | [सं० फा० 2/21/75-सी य० सी०]   |  |  |

2/21/75-सा यू० सा०]

S.O. 666(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 509(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Lugs) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

| THE SCHEDULE                                |   |  |  |
|---|---|--|--|
| Provisions of the<br>Companies Act,<br>1956 | Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking |  |  |
| (1)   | (2)   |  |  |
| Section 224                                 | The provisions of sub-section (7) of this section sha<br>not apply to the industrial undertaking.                               |  |  |
| Section 225                                 | The provisions of sub-section (1) of this section sha<br>not apply to the industrial undertaking.                               |  |  |

[No. F. 2/27/75-CUC]

का॰ आ॰ 666(म)/18 उ॰/उ वि॰ वि॰ प्र०/75.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास मौर विनियमन) मधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के श्रधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के मधिसचित मादेश सं॰ का॰ मा॰ 509 (म्र), तारीच 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम॰ के॰ माइबेल को मैसर्स एन्सीलरी इण्डस्ट्रीज (लग्स) प्रा० लिमिडेड, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पण्चात् श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से जात औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उसमें विनिधिक्ट अवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 18(क) की उपधारा (2) द्वारा प्रथल शिक्त में का प्रयोग करते दृए इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में उन छूटों, निर्बन्धनों श्रौर सीमाओं को विनिर्दिष्ट करनी है जिनके श्रधीन रहते दृए कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रौद्योगिक उपक्रम को उस रीति के लागू दोता रहेगा जैसे यह धारा 18कक के श्रधीन उक्त श्रधिसूचित श्रादेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

## ग्र**न्**स्थी

| कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के उपबन्ध | वे छूटें, निवंन्धन ग्रौर सीमाएं ज़िनके ग्रधीन रहते<br>हुए स्तम्भ (1)में वर्णित उपवन्ध उपक्रम को<br>लागू होंगे |  |  |
|-----------------------------------|---|--|--|
| (1)                               | (2)   |  |  |
| धारा 224                          | इस धारा की उपधारा (7) के उपबन्ध इस श्रीद्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।                                 |  |  |
| धारा 225                          | इस धारा की उपधारा (1) के उपबन्ध इस श्रौद्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।                                 |  |  |

[मं० फा० 2/27/75-सी० यू०सी०]

S.O. 667(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 510(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to

take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Sen and Pandit Industries Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

| Provisions of the Companies Act, 1956 | Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking |  |  |
|---------------------------------------|---|--|--|
| (1)                                   | (2)   |  |  |
| Section 224                           | The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |  |  |
| Section 225                           | The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |  |  |

[No. F. 2/28/75-CUC]

का० आ० 667 (अ)/18उ०/उ० वि० वि० अ०/75.—केन्द्रीय सरकार , उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के अधिस्चित आदेण सं० का० आ० 510 (अ), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माडवेल को मैसर्स सेन एण्ड पंडित इण्ड-स्ट्रीज़ लि०, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पण्चान् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से जात औद्योगिक उपक्रम का अबन्ध उसमें विनिद्धि अवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्रधान्त किया है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त यधिनियम की धारा 18(छ) की उपवारा (2) दारा प्रदत्त पिक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे उपायद्ध अनुसूची में उन छूटों, निर्वन्धनों और सोमाओं को विनिधिन्द करती है जिनके श्रधीन रहते हुए कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रौद्योगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैमे वह धारा 18कक के अधीन उक्त श्रधिमृचित श्रादेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

## ग्रनु सुची

| कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के उपबन्ध | वे छूटें, निर्वन्धन श्रीर सीमाएं जिनके श्रधीन रहते<br>हुए स्तम्भ (1) में विणित उपबन्ध उपक्रम की<br>लागू होंगे |  |  |
|-----------------------------------|---|--|--|
| (1)                               | (2)   |  |  |
| <b>धारा 224</b>                   | इस धारा की उपधारा (७) के उपबन्ध इस स्रौद्योगिक<br>उपक्रम की लागू नहीं होंगे ।                                 |  |  |
| धारा 225                          | इस धारा की उपधारा (1) के उपबन्ध <b>इ</b> स स्रौद्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं <sup>ह</sup> ोंगे ।             |  |  |

S.O. 668(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 511(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

| Provisions of the<br>Companies Act,<br>1956 | Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking |
|---|---|
| (1)   | (2)   |
| Section 224                                 | The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |
| Section 225                                 | The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |

[No. F. 2/29/75-CUC]

का० का० 668 (क्र)/18 उ०/उ०िव विश्व क्र०/75.—केन्द्रीय मरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खंड (क) के स्रधीन जारी किए गए उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के श्रिधसूचित स्रादेश सं० का० आ० 511 (स्र), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माडवेल को मैंसर्स एन्सीलरी इंडस्ट्रीज (फ़ोर्जिग्स) प्रा० लि०, कलकत्ता (जिसे इस स्रादेश में इसके पश्चात श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से शात श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उसमें विनिर्दिष्ट श्रवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

ग्रतः, ग्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 18(ङ) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में उन छूटों, निर्वन्धनों श्रोर सीमाश्रों को विनिर्दिष्ट करती है जिनके ग्रधीन रहते हुए कंपनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रोद्योगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18 कक के श्रधीन उक्त ग्रधिसूचित श्रादेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

## घनु सूची

| कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के उपबंध | वे छूटें, निर्वन्धन श्रौर सीमाएं, जिनके श्रधीन<br>रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबंध उपक्रम<br>को लागू होंगे |  |  |
|---------------------------------|--|--|--|
| (1)                             | (2)  |  |  |
| धारा 224                        | इस धारा की उपधारा 7 के उपबंध इस श्रौद्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।                                     |  |  |

(1) (2)
धारा 225 इस धारा की उपधारा 1 के उपबंत इस भीद्योगिक
उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

S.O. 669(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government has, by its notified order in Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 512(E), dated 12th September, 1975, issued under the clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised Shri M. K. Modwel to take over the management of the Industrial Undertaking known as M/s. Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta (hereinafter in this order referred to as the industrial undertaking), for the periods specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18(E) of the said Act, the Central Government hereby specifies in the schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply, to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18AA.

#### THE SCHEDULE

| Provisions of the<br>Companies Act,<br>1956 | Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking |  |
|---|---|--|
| (1)   | (2)   |  |
| Section 224                                 | The provisions of sub-section (7) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |  |
| Section 225                                 | The provisions of sub-section (1) of this section shall not apply to the industrial undertaking.                                |  |

[No. F. 2/30/75-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

का ब्या 669 (प्र)/18उ०/उ० वि० वि० वि० वि० वि० ते स्तिय सरकार ने, उद्योग (विकास प्रोर विनियमन) प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खंड (क) के ग्रधीन जारी किए गए उद्योग ग्रौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय के ग्रधिसूचित ग्रादेश सं० का० ग्रा० 512 (ग्र), तारीख 12 सितम्बर, 1975 द्वारा श्री एम० के० माडवेल को मैसर्स एन्सीलरी इंडस्ट्रीज (श्रेन्कस) प्राइ० लिमि०, कलकत्ता (जिसे इस ग्रादेश में इसके पश्चात ग्रौद्योगिक उपश्रम कहा गया है) के नाम से ज्ञात ग्रौद्योगिक उपश्रम का प्रबंध उसमें विनिर्दिष्ट ग्रवधियों के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनयम की धारा 18 (ङ) की उपधारा (2) ब्रारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इससे उपावद्ध श्रनुसूची में उन छूटों, निर्वेन्धनों भौर सीमाश्रों को विनिर्दिष्ट करती है जिनके श्रधीन रहते हुए कंपनी श्रिधिनयम, 1956 (1956 का 1) श्रीद्योगिक उपक्रम को उस रीति से लागू होता रहेगा जैसे वह धारा 18क क के श्रधीन उक्त श्रिधसूचित श्रादेश के जारी करने से पूर्व लागू होता था।

| ग्रनुसूची                        |   |  |  |  |
|----------------------------------|---|--|--|--|
| कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 के उपबंध | वे छूटें, निर्बन्धन श्रौर सीमाएं जिनके श्रधीन<br>रहते हुए स्तम्भ (1) में वर्णित उपबंध उपऋम<br>को लागू होंगे |  |  |  |
| (1)                              | (2)   |  |  |  |
| धारा 224                         | इस धारा की उपधारा 7 के उपबंध इस स्रौद्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।                                  |  |  |  |
| धारा 225                         | इस धारा की उपधारा 1 के उपबंध इस <b>श्री</b> द्योगिक<br>उपक्रम को लागू नहीं होंगे ।                          |  |  |  |

[सं० फ़ा० 2/30/75-सी० यू० सी०] डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।